CENTRE OF INDIAN TRADE UNIONS

के हेमलता
अध्यक्ष

तपन सेन, पूर्व सांसद
महासचिव

12 मार्च 2022

प्रेस विज्ञप्ति

सीटू ईपीएफ ब्याज दर में कटौती की निंदा करता है

भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के एक और मजदूर विरोधी कदम में, EPFO के केंद्रीय न्यासी बोर्ड में सरकार के साथ-साथ नियोक्ताओं के प्रतिनिधियों ने ईपीएफ ब्याज दर में कमी का आग्रह किया है। इसलिए, बोर्ड ने ब्याज दरों को मौजूदा 8.5% से घटाकर 8.1% करने की सिफारिश का निर्णय लिया है। सीटू वित्तीय वर्ष 2021-22 के लिए EPF ब्याज दरों में कमी की सिफारिश करने के बोर्ड के तथाकथित "बहुमत" के फैसले की निंदा करता है।

ईपीएफओ के केंद्रीय न्यासी बोर्ड के सभी कर्मचारियों के प्रतिनिधियों तथा सीटू सहित केंद्रीय ट्रेड यूनियनों का प्रतिनिधित्व करते हुए, 11 और 12 मार्च 2022 को गुहाटी में आयोजित बोर्ड की बैठक में एक साथ सबने इसका विरोध किया है, इसके बावजूद बोर्ड ने सरकार और नियोक्ता के प्रतिनिधियों के ब्याज दर कम करने के प्रस्ताव पर सिफारिश करने का निर्णय लिया है।

केंद्र सरकार का तर्क है कि इसे बैंकों में किसी अन्य जमा की ब्याज दरों के बराबर माना जा सकता है जो कभी भी स्वीकार नहीं किया जा सकता, क्योंकि EPF सामाजिक सुरक्षा के हिस्से के रूप में अपने भविष्य के लिए कर्मचारियों की जीवन भर की आवर्ती बचत है। इसे बैंकिंग क्षेत्र में किसी अन्य जमा से जुड़ी ब्याज दरों की तुलना में अलग तरीके से माना जाना चाहिए।

सीटू मज़दूरों से मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार की मजदूर वर्ग विरोधी नीतियों के खिलाफ 28 और 29 मार्च को होने वाली आम हड़ताल को सफल बनाने के लिए आह्वान करता है जो ईपीएफ ब्याज दरों में कमी जो पिछले 44 साल में सबसे कम है, सहित जनविरोधी और मजदूर विरोधी नीतियों का करारा जवाब होगा।

{तपन सेन}
महासचिव

B.T. Ranadive Bhawan, 13-A, Rouse Avenue, New Delhi - 110 002
Tel# +91 11 2322 1288 / 2322 1306 Fax# +91 11 2322 1284
Website: www.citucentre.org E-mail: citubtr@gmail.com